



लोक सभा सचिवालय
प्रेस एवं जन सम्पर्क स्कंध
संसद भवन, नई दिल्ली
LOK SABHA SECRETARIAT
Press and Public Relations Wing
Parliament House, New Delhi

प्रेस विज्ञप्ति PRESS RELEASE

EDUCATION IS FOUNDATION OF NATION BUILDING: LOK SABHA SPEAKER/शिक्षा राष्ट्र निर्माण का आधार है: लोक सभा अध्यक्ष

...

WHOEVER TRIED TO ATTACK DEMOCRACY, PEOPLE REJECTED THEM: LOK SABHA SPEAKER/लोकतंत्र पर जिन्होंने भी हमला करने की कोशिश की, लोगों ने उन्हें नकार दिया: लोक सभा अध्यक्ष

...

SENTIMENT OF VASUDHAIVA KUTUMBAKAM IS ONLY SOLUTION FOR PEACE AND STABILITY IN WORLD: LOK SABHA SPEAKER/विश्व में शांति और स्थिरता के लिए वसुधैव कुटुंबकम का भाव ही एकमात्र समाधान है: लोक सभा अध्यक्ष

...

FOREIGN INVESTMENT IS INCREASING IN INDIA BECAUSE THERE IS RULE OF LAW HERE: LOK SABHA SPEAKER/भारत में विधि का शासन होने की कारण विदेशी निवेश बढ़ रहा है: लोक सभा अध्यक्ष

...

'PUBLIC POLICY' HAS AN IMPORTANT ROLE IN PUBLIC WELFARE: LOK SABHA SPEAKER/लोक कल्याण में 'लोक नीति' महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है: लोक सभा अध्यक्ष

...

LOK SABHA SPEAKER INAUGURATES KIIT SCHOOL OF PUBLIC POLICY/लोक सभा अध्यक्ष ने केआईआईटी स्कूल ऑफ पब्लिक पॉलिसी का उद्घाटन किया

...

New Delhi; 27 October 2024: Lok Sabha Speaker, Shri Om Birla inaugurated the KIIT School of Public Policy at the Kalinga Institute of Industrial Technology (KIIT) today.

Addressing the gathering, the Speaker emphasized that education is the foundation of nation-building, empowering individuals with the knowledge, skills, and values essential for both personal and collective progress. He noted that the setting up of the KIIT School of Public Policy was a step in the right direction. An educated society drives innovation, economic growth, and social harmony, enabling citizens to make informed decisions that benefit the nation as a whole, Shri Birla opined.

Highlighting the resilience of India's democratic values, he stated that the people are the ultimate guardians of their freedom and rights. Underscoring the collective commitment to protecting democracy, Shri Birla reminded the audience that whenever there have been attempts to undermine democratic principles, the voices of the people resonate firmly against such challenges. This commitment is evident in every election and movement, ensuring that democracy remains vibrant and enduring in the face of adversity.

While discussing the economic landscape of the country, Shri Birla noted that foreign investment is increasing in India because of the prevalence of rule of law here. Elaborating on this, he stated that the stability and predictability of India's legal framework are bolstering investor confidence. He felt that the stature of India is growing and the world is looking at India keenly. He observed that with a well-established judiciary and transparent regulatory processes, India assures fairness and reliability to investors, fostering an environment where businesses can thrive. This robust rule of law not only protects investor interests but also contributes significantly to the nation's economic growth and development.

Referring to India's growing stature globally, the Lok Sabha Speaker highlighted the importance of the ancient Indian philosophy of Vasudhaiva Kutumbakam—the idea that the world is one family. He expressed the view that this sentiment is crucial for achieving peace and stability globally, transcending cultural and national boundaries. By embracing this spirit of unity and cooperation, nations

could collectively address global challenges and pave the way for lasting harmony and shared prosperity for all humanity, Shri Birla felt.

Public policy should strive to include everyone, recognizing the diverse needs of our community, Shri Birla observed. Explaining further, he stated that when policies reflect the voices and experiences of all individuals, they foster a sense of belonging and encourage active participation in the democratic process. By harnessing the collective power of the community, we can create inclusive solutions that not only strengthen social bonds but also effectively address real-world challenges, ensuring that no one is left behind stated the Lok Sabha Speaker.

While closing his address, the Lok Sabha Speaker remarked on the importance of diversity as a foundation of strength in democracy. He noted that India's rich tapestry of cultures, languages, and traditions contributes to its vibrancy. He also referenced the effective leadership of Prime Minister Narendra Modi, highlighting how his visionary approach has propelled India forward in various spheres, including the economy, technology, and social development.

Earlier, Shri Birla interacted with the students of Kalinga Institute of Social Sciences (KISS) in Bhubaneswar. On this occasion, he noted that by educating and inculcating values in local tribal students, KISS is playing a vital role in nation building through personality development. Stressing that the responsibility of realizing the resolve of a developed India by 2047 rests on the shoulders of talented students full of courage and confidence, he expressed confidence that the youth would fulfill their responsibility in India's advanced and bright development journey.

नई दिल्ली; 27 अक्टूबर 2024: लोक सभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला ने आज कलिंग इंस्टीट्यूट ऑफ इंडस्ट्रियल टेक्नोलॉजी (केआईआईटी) में केआईआईटी स्कूल ऑफ पब्लिक पॉलिसी का उद्घाटन किया।

सभा को संबोधित करते हुए अध्यक्ष ने इस बात पर जोर दिया कि शिक्षा राष्ट्र निर्माण का आधार है, जो अपनी और समाज की प्रगति के लिए आवश्यक ज्ञान, कौशल और मूल्यों से व्यक्ति को सशक्त बनाती है। उन्होंने कहा कि केआईआईटी स्कूल ऑफ पब्लिक पॉलिसी की स्थापना सही दिशा में उठाया गया एक कदम है। श्री बिरला ने यह भी कहा कि एक शिक्षित समाज नवाचार, आर्थिक विकास और सामाजिक सद्भाव को बढ़ावा देता है, जिससे देशवासी सही निर्णय लेने में सक्षम होते हैं और इससे पूरे देश को लाभ होता है।

भारत के लोकतांत्रिक मूल्यों की सुदृढ़ता के बारे में बात करते अध्यक्ष महोदय ने कहा कि लोग स्वयं अपनी स्वतंत्रता और अधिकारों के संरक्षक हैं। लोकतंत्र की रक्षा के लिए सामूहिक प्रतिबद्धता पर जोर देते हुए श्री बिरला ने कहा कि जब भी लोकतांत्रिक सिद्धांतों को कमजोर करने का प्रयास किया गया है, लोगों ने ऐसी चुनौतियों के खिलाफ दृढ़तापूर्वक आवाज उठाई है। यह प्रतिबद्धता हर चुनाव और आंदोलन में स्पष्ट दिखाई देती है, जो सुनिश्चित करती है कि लोकतंत्र प्रतिकूल परिस्थितियों में भी जीवंत और शाश्वत बना रहे।

देश के आर्थिक परिदृश्य पर चर्चा करते हुए, श्री बिरला ने कहा कि भारत में विधि का शासन होने के कारण यहाँ विदेशी निवेश बढ़ रहा है। इस बारे में विस्तार से बताते हुए, उन्होंने कहा कि भारत के कानूनी ढांचे की स्थिरता और पूर्वानुमेयता से निवेशकों का विश्वास बढ़ा है। उन्होंने यह भी कहा कि विश्व में भारत का महत्व बढ़ रहा है। श्री बिरला ने कहा कि एक सुस्थापित न्यायपालिका और पारदर्शी नियामक प्रक्रियाओं के साथ, भारत से निवेशकों को निष्पक्षता और विश्वसनीयता का आश्वासन मिलता है और यहाँ ऐसा माहौल बनाता है जहाँ व्यवसाय फल-फूल सकते हैं। विधि का यह शासन न केवल निवेशकों के हितों की रक्षा करता है बल्कि देश की आर्थिक वृद्धि और विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान देता है।

वैश्विक स्तर पर भारत के बढ़ते महत्व का उल्लेख करते हुए, लोक सभा अध्यक्ष ने वसुधैव कुटुम्बकम् के प्राचीन भारतीय दर्शन पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि पूरा विश्व एक परिवार है-यह भावना सांस्कृतिक और राष्ट्रीय सीमाओं से परे वैश्विक स्तर पर शांति और स्थिर का लक्ष्य प्राप्त करने के लिए महत्वपूर्ण है। श्री बिरला ने कहा कि एकता और सहयोग की इस भावना को अपनाकर देश सामूहिक रूप से वैश्विक चुनौतियों का समाधान कर सकते हैं और पूरी मानवता के लिए सद्भाव और समृद्धि का मार्ग प्रशस्त कर सकते हैं।

श्री बिरला ने कहा कि लोक नीति को हमारे समुदाय की विविध आवश्यकताओं को समझते हुए सब को साथ लेकर चलने का प्रयास करना चाहिए। इस बारे में विस्तार से बात करते हुए उन्होंने कहा कि जब नीतियां सभी व्यक्तियों के विचारों और अनुभवों को ध्यान में रखकर बनाई जाती हैं, तो वे अपनेपन की भावना को बढ़ावा देती हैं और लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी को प्रोत्साहित करती हैं। समुदाय की सामूहिक शक्ति का

उपयोग करके, समावेशी समाधान किए जा सकते हैं जिससे न केवल सामाजिक संबंध मजबूत होते हैं बल्कि वास्तविक दुनिया की चुनौतियों का समाधान भी प्रभावी ढंग से होता है और यह भी सुनिश्चित होता है कि कोई भी पीछे न छूटे।

अपने संबोधन के अंत में, लोक सभा अध्यक्ष ने लोकतंत्र को मजबूत करने में विविधता के महत्व के बारे में बात की। उन्होंने कहा कि भारत की संस्कृतियों, भाषाओं और परंपराओं के समृद्ध ताने-बाने से इसकी जीवंतता बढ़ी है। उन्होंने प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के प्रभावी नेतृत्व का भी उल्लेख करते हुए इस बात पर प्रकाश डाला कि उनके दूरदर्शी दृष्टिकोण से अर्थव्यवस्था, प्रौद्योगिकी और सामाजिक विकास सहित विभिन्न क्षेत्रों में भारत में प्रगति और उन्नति हुई है।

इससे पहले, श्री बिरला ने भुवनेश्वर में कलिंग इंस्टिट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज (के.आई.एस.एस.) के विद्यार्थियों से बातचीत की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि के.आई.एस.एस. स्थानीय आदिवासी विद्यार्थियों को शिक्षित करके उनके व्यक्तित्व का विकास कर रहा है और राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि 2047 तक विकसित भारत के संकल्प को साकार करने की जिम्मेदारी साहस और आत्मविश्वास से परिपूर्ण प्रतिभाशाली विद्यार्थियों के कंधों पर है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि युवा वर्ग भारत की उन्नत और उज्ज्वल विकास यात्रा में अपनी जिम्मेदारी पूरी तरह से निभाएंगे।